100Rs.

प्रति,

पंजीयक सार्यजनिक न्यास,
भोपाल (म.प्र.)

वसुधा प्रकाशन न्यास 18 एच.आई.जी. शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. के सन्दर्भ में हम :-

(1) कु. प्रीति शर्मा आत्मजा श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा, आयु 28 वर्ष व्यवसाय सामाजिक कार्यकर्ता, निवासी बी-18 स्वामी दयानन्द नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश ।

(2) डॉ. सुधा मलैया पत्नि श्री जयन्त मलैया, म.प्र. आयु 40 वर्ष व्यवसाय सामाजिक कार्यकर्ता निवासी फ्लेक्स ई-3-ए, चार इमली, भोपाल, मध्यप्रदेश ।

(3) श्रीमती कोकिला सेठ पत्नि श्री शशिकान्त सेठ आयु 57 वर्ष व्यवसाय सामाजिक कार्यकर्ता निवासी 157 शांति नगर बैरसिया रोड, भोपाल, मध्यप्रदेश ।

(4) श्रीमती शैलजा काकिर्डे पत्नि श्री श्रीकृष्ण काकिर्डे आयु 52 वर्ष व्यवसाय सामाजिक कार्यकर्ता, निवासी बावन पाचत्रा लश्कर, ग्वालियर, मध्यप्रदेश ।

श्रीमती अर्चना चिट्नीस पत्नि श्री समीर वी चिटनीस आयु 28 वर्ष व्यवसाय सामाजिक कार्यकर्ता, निवासी 165 साकेत नगर, "ऋतुराज", इंदौर, मध्यप्रदेश ।

(6) डॉ. श्रीमती सीमा विजयवर्गीय पत्नि श्री विनय विजयवर्गीय आयु 36 वर्ष व्यवसाय चिकित्सक, निवासी 12 बी बिल्डर्स कालोनी, धेनु मार्केट के पीछे, इंदौर, मध्य प्रदेश ।

अध्यक्ष
ओजस्विनी समदर्शी न्यास

§7§ श्रीमती श्रुति पाठक पत्नि श्रीवंश पाठक, आयु 24 वर्ष व्यवसाय सामाजिक कार्यकर्ता, निवासी E-7/132 अशोका सोसायटी, शाहपुरा, भोपाल, मध्यप्रदेश

जो उपरोक्त न्यास के न्यासी हैं मध्यप्रदेश सार्वजनिक न्यास अधिनियम, 1951 §××× आफ 1951§ की धारा 4·2 के अंतर्गत उपरोक्त न्यास के पंजीयन हेतु यह आवेदन करते हैं ।

2· हम न्यास के संबंध में निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत कर रहे हैं :-

§1§ §अ§ जन साधारण के लाभ के लिये सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक आदि लोक हितकारी विषयों पर सत्साहित्य का निर्माण प्रकाशन तथा प्रसार करने के लोकशिक्षा के पवित्र प्रयोजन के लिये दिनांक 24·4·92 को की गई घोषणा के अनुसार वसुधा प्रकाशन न्यास, भोपाल की स्थापना की जा चुकी है । तदानुसार दिनांक 15.6.92 को न्यास पत्र पर न्यासियों द्वारा हस्ताक्षर किये जा चुके हैं ।

§आ§ वसुधा प्रकाशन न्यास भोपाल सार्वजनिक न्यास है ।

§इ§ न्यास के उद्देश्य निम्नलिखित है :-

§ §

§4·1§ इस न्यास का उद्देश्य धार्मिक, आर्थिक, शैक्षणिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक आदि लोक हितकारी विषयों पर विशेषतः महिलाओं के लिये युगानुकूल सतसाहित्य का निर्माण करना अथवा करवाना तथा इसका प्रकाशन एवं प्रसारण कर लोक शिक्षण का कार्य करना ।

§4·2§ उपरोक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिये ऐसे सभी कार्य करना जो आवश्यक हो तथा अनुशंगिक हो । उद्देश्य की व्यापकता को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचाते हुए निम्नलिखित कार्य करना उदाहरणार्थ :-

अ· साहित्य निर्माण हेतु लेखकों एवं साहित्यकारों से आवश्यक अनुबंध करना अथवा लेखकों को अनुदान, पारिश्रमिक, प्रोत्साहन राशि अथवा रायल्टी देना ।

आ· §6§ साहित्य प्रकाशन के लिये अन्य मुद्रणालयों से मुद्रण करवाना अथवा मुद्रणालय की स्थापना एवं संचालन करना जिससे साहित्य की छपाई व्यवस्था हो सके ।

इ· के कार्यों के लिये भूमि अथवा भवन प्राप्त करना किराये से लेना अथवा निर्माण करना तथा आवश्यकतानुसार अन्तरिम व्यवस्था करना ।

अध्यक्ष
ओजस्विनी समदर्शी न्यास

ई. साहित्य प्रसार के लिये अभिकर्ता अथवा प्रचारक/प्रतिनिधि नियुक्त करना ।

उ. न्यास के कार्यो के लिए यथा आवश्यक कर्मचारी एवं अधिकारी नियुक्त करना उन्हें पारिश्रमिक देना तथा उनके सेवा नियम बनाना एवं लागू करना ।

ऊ. समाज सेवी समर्पित संस्थाओं अथवा व्यक्तियों को सहायता, सहयोग प्रदान अथवा उन्हें आर्थिक अंशदान देना ।

ए. न्यास के उपर्युक्त कार्यो के लिये ऋण प्राप्त करना, नगद अथवा वस्तु या सम्पत्ति के रूप में दान प्राप्त करना, छपाई या अन्य माध्यम से धन प्राप्त करना तथा आवश्यकतानुसार न्यास की सम्पत्ति को बंधक रखना या अन्य ऋण प्राप्ति के लिये प्रतिभूमि देना ।

ऐ. वे सब कार्य करना जो न्यास की उद्देश्य की पूर्ति के लिये आवश्यक अथवा उचित समझे जायें ।

§2§ न्यास का प्रधान कार्यालय 18 एम·आय·जी· शिवाजी नगर, भोपाल में है जो न्यास मंडल के निर्णय के अनुसार बदला जा सकेगा ।

§3§ कु· प्रीति शर्मा, निवासी बी-18 स्वामी दयानन्द नगर, भोपाल इस न्यास की प्रबंधक न्यासी है ।

§4§ न्यासियों की कुल संख्या अधिकतम 15 होगी । दो न्यासी प्रति तीन वर्ष पश्चात् निवृत्त होंगे, यह पद निवृत्ति क्रम से होगी अर्थात् न्यासी क्रमांक 1 व 2 तीन वर्ष पश्चात् तथा क्रमांक 3 व 4 छः वर्ष पश्चात् निवृत्त होंगे । इसी प्रकार निवृत्ति क्रम जारी रहेगा । निवृत्त न्यासी पुनः न्यासी पद पर चुने जाने के पात्र होंगे । न्यासी/न्यासियों के निवृत्त होने पर शेष न्यासी रिक्त पद/पदों की पूर्ति बहुमत से करेंगे । किन्तु समान मत होने पर पर्ची निकालकर निर्णय किया जा सकेगा । निवृत्ति के कारण रिक्त न्यासी पद की पूर्ति यदि ~~निवृत्त के कारण रिक्त न्यासी पद की पूर्ति यदि~~ निवृत्ति दिनांक से छः मास के अन्दर नहीं की जाती तो ऐसा माना जावेगा कि निवृत्त हो रहे न्यासी/न्यासियों को पुनः चुन लिया गया है ।

न्यासियों को अधिकार होगा कि वे रिक्त न्यासी पदों की पूर्ति एक साथ करें अथवा स्वविवेक के अनुसार भिन्न-भिन्न समय पर करें । किन्तु नियुक्त होने वाले न्यासीगणों की निवृत्ति का भी नियुक्ति के क्रम के अनुसार होगा । प्रबंध न्यासी/न्यासियों के बहुमत से चुना जायेगा । प्रबंध न्यासी का कार्यकाल 3 वर्ष होगा ।

अध्यक्ष
ओजस्विनी समदर्शी न्यास

§5§ न्यास पत्र दिनांक

§6§ स्कीम यथा समय प्रस्तुत की जायेगी ।

§7§ न्यास की चल सम्पत्ति रु॰ 5000/- है ।

§8§ न्यास की अचल सम्पत्ति वर्तमान में निरंक

§9§ दान,प्रकाशन के विक्रय एवं विज्ञान से प्राप्त धन, अथवा ऋण प्राप्त कर न्यास कार्य करेगा ।

§10§ न्यास का अनुमानित वार्षिक आय-व्यय का विवरण :-

अनुमानित आय	अनुमानित व्यय	
दान,प्रकाशन के विक्रय विज्ञापन आदि से प्राप्त रु॰ 2,10,000·00	न्यासियों वास्तविक यात्रा भत्ता तथा बैठकों पर व्यय	5000·00
	कर्मचारी वेतन	55000·00
	कार्यालयीन स्थापना व्यय	25000·00
	प्रकाशन व्यय प्रसार	1,15000·00
	विज्ञापन व्यय	10000·00
योग रु॰ 2,10,000/-		2,10,000·00

§11§ अन्य देन-दारियां यदि हो तो -निरंक

§12§ ट्रस्ट सम्पत्ति से संबंधित राइटस -निरंक होल्ड का विवरण

§13§ वर्ष 1992-93 के लिये अनुमानित बजट - उपरोक्त क्र॰ §10§ के अनुसार

§14§। अन्य जानकारी - निरंक

§ § पंजीयन शुल्क रु॰ संलग्न चालान क्र॰ दिनांक के अनुसार जमा कर दिया है ।

§ प्रबंधक न्यासी से पत्र व्यवहार का पता कु॰ प्रिति शर्मा
18 बी-स्वामी दयानंद नगर,
भोपाल §म॰प्र॰§

अध्यक्ष
...तरिनी समदर्शी न्यास